11.2

भाषा विज्ञानक अध्ययनक प्रयोजन आ महत्व

भाषा विज्ञान दू शब्दक मेल सँ बनल अछि — भाषा आ विज्ञान। भाषाक ई प्रयोग ध्वनि पर आधारित अछि। भाषा मानवक परस्पर विचार विनिमयक सर्वोत्तम साधन अछि। ध्वनि समूहक विशिष्ट संयोजना सार्थक भाषाक निर्माण करैत अछि आ फेर मानव ओकरे माध्यमसँ अपन मन एवं विचार समूहक आदान प्रदान तथा प्रकाशन करैत अछि।

विज्ञानक अर्थ अछि शास्त्रीय ज्ञान आ अध्ययन। दोसर शब्दमे ओकरा ज्ञानक विशिष्ट एवं सम्यक अध्ययन कहल जा सकैत अछि। एतावता ज्ञात होइत अछि जे भाषाक वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत करय वला विषय भाषा विज्ञान भेल।

कोनो शास्त्र एवं विज्ञानक अध्ययन, ओकर उपयोगिता आदिकें दृष्टिमे राखि कय कयल जाइत अछि। कोनो शास्त्र आ विज्ञानक ~~अध्ययनकरब आदि अछि~~। उद्देश्य ज्ञान प्राप्ति होइत अछि। भाषाविज्ञान सेहो शास्त्र आ विज्ञान दुनू अछि। अतएव भाषाविज्ञानक अनेक उपयोगिता अछि —

(क) भाषा विज्ञानमे भाषा विषयक अध्ययन कयल जाइत अछि अतएव एहि विज्ञानक प्रथम प्रयोजन अथवा महत्व भाषा-विषयक समस्या समूहक समाधान प्रस्तुत करब अछि। एहि अध्ययन सँ शब्द, वाक्य, भाषा आदिक आत्मकथा पढ़बाक हेतु भेटैत अछि आ एहि सँ हमरा समूहक मनोरंजन होइत अछि। निष्कर्षत: हम कहि सकैत छी जे बौद्धिक ज्ञान-विज्ञानक तृप्तिक संग हार्दिक मनोरंजन प्रदान करब सेहो एहि विज्ञानक प्रयोजन अछि।

(ख) भाषा विज्ञानक अध्ययन सँ साहित्यिक छात्रक प्रति प्रवृत्ति अनुसंधानात्मक भए जाइत अछि। एकर फलस्वरूप ओकर सूझ-बूझ गहीर आ तुलनात्मक पद्धतिकें अपनाबयवला भए जाइत अछि।

Scanned with CamScanner

(ग) भाषाविज्ञानसँ अनेक समस्याक समाधान भए जाइत अछि। प्राचीनकालमे कोनो शब्दक अर्थ किछु आरो छल आ आइ किछु आरो अछि। एकर पूर्णरूपेण समाधान भाषाविज्ञानसँ भए जाइत अछि।

(घ) भाषाविज्ञान साहित्यक संग-संग व्याकरणक अनेक समस्याक समाधान सेहो प्रस्तुत करैत अछि। भाषाविज्ञानक अध्ययनक फलस्वरूप वैदिक अध्ययनमे खूब सहायता भेटल अछि। एहि रूपमे प्राचीन संस्कृति आ सभ्यताक विभिन्न अध्याय क उद्घाटनमे ई विज्ञान पर्याप्त सहायता देलक अछि। भाषा सभ्यता एवं संस्कृतिक प्रतीक होइत अछि। व्याकरण ओकर परिमार्जन एवं परिष्कार करैत अछि। मुदा व्याकरणकेँ दिशा-निर्देशनक काज भाषा विज्ञान करैत अछि। भाषाक जाहि समस्या सभक समाधान व्याकरण नहि कए पबैत अछि, भाषाविज्ञान ओहि समस्या सभक समाधानमे व्याकरणक सहयोग करैत अछि।

(ङ) भाषाविज्ञानसँ प्रागैतिहासिक अनुसंधानकेँ प्रेरणा भेटैत अछि। भाषाविज्ञानमे हम मानव-जातिक विभिन्न युगक सभ भाषाक ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक अध्ययन करैत छी। हम सहजरूपसँ भाषा-विज्ञानक द्वारा अज्ञान एवं अन्धकारमय अतीतक गर्तमे प्रवेश कए मानवीय संस्कृति ओ सभ्यताक रहस्यक अनावरण कए दैत छी। भाषा विज्ञान ओहि कालक इतिहास लिखबामे सहायक होइत अछि, जाहि कालक इतिहास स्वयं इतिहासकेँ सेहो ज्ञान नहि रहैत अछि। भाषा विज्ञान सँ आर्यक निवास स्थान आदिक खोजमे अभूतपूर्व योगदान भेटल अछि।

(च) भाषाविज्ञान ध्वनि-विज्ञानक अध्ययन-अध्यापनमे सहयोग दैत अछि। ककरो तोतराएबाक, हकलेबाक कि कारण होइत अछि? उच्चारण सम्बन्धी गड़बड़ी कोना कए भए सकैत अछि? एहि सभ प्रश्नक निराकरण भाषा

(3)

विज्ञानक सहयोगसँ सुविधा पूर्वक मक्ष सकैत अछि।

(छ) भाषा विज्ञानक अध्ययन एक्के भाषा धरि सीमित नहि रहैत अछि, बल्कि विश्वक प्रत्येक जातिक भाषा-परिवारक पारिवारिक परिचय आ विचारक आदान-प्रदान विश्वबन्धुत्वक भावनाक प्रचार आ प्रसारमे योगदान करैत अछि। विदेशक ध्वनि सभक शिक्षा ग्रहण करबामे भाषा विज्ञानक अध्ययनसँ सहायता भेटैत अछि।

(ज) भाषाक अध्ययनक प्रसंगमे इतिहास, पुरातत्व, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र आदिक अध्ययन सेहो होइत अछि। भाषा विज्ञानक सहयोगसँ एहि विषय सभक अध्ययनमे गम्भीरता आ व्यापकता अबैत अछि।

(झ) भाषा विज्ञानक द्वारा विभिन्न विज्ञान सभक उत्पत्ति भेल अछि। भाषा विज्ञानक तुलनात्मक विज्ञान जाहिमे मानव जातिक विभिन्न धार्मिक विश्वास सभहक तुलनात्मक अध्ययन कएल जाइत अछि आ पुराण-विज्ञान जाहिमे पौराणिक गाथा सभपर विचार कएल जाइछ तथा जनकथा विज्ञान आदिक उद्भव एवं विकासमे सहयोग प्रदान कएल गेल अछि। मानवजाति विज्ञान जाहिमे भिन्न-भिन्न जातिक वंश परम्परा आदि पर विचार कएल जाइत अछि तकरा भाषा विज्ञानसँ प्रत्येक चरणमे सहायता भेटैत छैक।

(ञ) कोनो भाषाक लिपिक इतिहास, ओकर शुद्धता आ व्यापकताकेँ सिद्ध करबामे भाषा विज्ञानक योगदान सराहनीय बूझल गेल अछि। एकर संग-संग भाषा विज्ञान भाषा, ध्वनि आ अर्थक परिवर्तनक कारणक खोज सहजतासँ करैत अछि।

(ट) भाषा विज्ञानसँ संचारक साधनकेँ सेहो सहायता भेटैत अछि। दूर संचार वा यान्त्रिक अनुवादक हेतु

Scanned with CamScanner

संकेत समक निर्माण वा तत्सम्बन्धी सिद्धान्त सम्बद्ध प्रणयन तखनहि सम्भव अछि, जखन एकर भाषिक संकेत सभसँ परिचय हो आ भाषिक संकेतक पूर्ण परिचय भाषा विज्ञानक बिना कल्पनातीत अछि।

उपर्युक्त विवरणसँ ज्ञात होइत अछि जे भाषा विज्ञानक महत्व असीम अछि। एकरा द्वारा भाषा आ वाणी विषयक सहज कौतूहल आ उत्सुकताकेँ शमन कयल जाइत अछि। भाषा विज्ञानक अध्ययन कर्ताकेँ ओहिमे रमण कयला पर ओहने आनन्द प्राप्त होइत अछि जेहन आनन्द काव्य-रसिककेँ काव्य रचनामे होइत छैक।

डॉ. पंकज कुमार
अतिथि शिक्षक
मैथिली विभाग
विश्वेश्वर सिंह जनता महाविद्यालय,
राजनगर

Scanned with CamScanner